Result Mitra Daily Magazine

शीत लहर

हालिया संदर्भ :

- दिल्ली, हरियाणा एवं पंजाब सहित अधिकतर उत्तरी भारतीय राज्यों में ठंड का प्रकोप बढ़ते जा रहा है, जिसे देखते हुए भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने चंडीगढ़ में 15 दिसंबर तक शीत लहर के दृष्टिकोण से Yellow Alert जारी किया है।
- दिल्ली और चंडीगढ़ में इस सप्ताह इस ठंडी का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया।

विशेष :

- सामान्यत: उत्तरी भारत में शीत लहर का प्रकोप मध्य दिसंबर से जनवरी तक रहता है, लेकिन इस बार दिसंबर के पहले सप्ताह से ही शीतलहर का प्रकोप जारी है।
- इस दौरान रातें, विशेषकर ज्यादा ठंडी रही है।

शीतलहर :

- IMD के अनुसार, "हवा के तापमान की ऐसी स्थिति, जो मानव शरीर के लिए घातक हो सकती है, जिसमें खांसी, जुकाम, ब्रोंकाइटिस, श्वसन संबंधी रोग, रक्तचाप की समस्याएं, हड्डियों, जोड़ों आदि में दर्द आदि शामिल है," शीतलहर के रूप में परिभाषित की जाती है।
- गरीब, बूढ़े और बेघर लोग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

- मैदानी इलाकों में मौसम केंद्र पर न्यूनतम तापमान 10°C या उससे कम अथवा उस अवधि के लिए सामान्य तापमान से 4.5°C–6.4°C तक तापमान कम होना, शीतलहर की श्रेणी में आता है।
- न्यूनतम तापमान 4°C या उससे कम होने पर भी शीतलहर घोषित की जा सकती है।
- पहाड़ी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 0°C या उससे कम होने पर शीत लहर घोषित की जा सकती है।
- मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 2°C या उससे नीचे जाने पर या उस अवधि के सामान्य तापमान से 6.5°C तक की गिरावट होने पर "गंभीर शीत लहर" घोषित किया जा सकता है।

कारक :

- IMD उत्तर भारत में जल्दी शीत लहर आने के लिए कई कारकों को जिम्मेदार मानता है।
- इस दौरान दो पश्चिमी विक्षोभों का प्रकोप रहा, जिससे हिमालयी क्षेत्रों सहित मैदानी भागों को भी प्रभावित किया।
- इसके अलावा 278km/h रफ्तार वाली पवनों के साथ एक मजबूत उपोष्ण कटिबंधीय पश्चिमी जेट–स्ट्रीम भारत उक्त क्षेत्रों में प्रभावशाली रहा है।
- पिछले दो महीने से शुष्क मौसम ने भी ठंड को जल्दी शुरू होने में भूमिका निभाया है।
- इस अवधि में हरियाणा एवं पंजाब में क्रमशः केवल 4% एवं 18% बारिश दर्ज की गई, जिससे मिट्टी की नमी में कमी आई और साफ रातों ने तापमान को घटा दिया।
- कश्मीर क्षेत्र में मौसम की पहली बर्फबारी ने भी ठंड की स्थिति को खतरनाक बना दिया है, क्योंकि क्षेत्र की ठंडी हवाएं मैदानी क्षेत्रों की ओर प्रवाहित होने लगी।
- विशेषज्ञ इन तत्वों के पीछे जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार मानते हैं और चेतावनी देते हैं कि ऐसी घटनाएं भविष्य में बार-बार आएगी।

रातों की स्थिति :

- IMD के अनुसार, शुष्क मौसम एवं साफ आसमान (बादल रहित), तथा कोहरे की अनुपस्थिति रात के दौरान नीचे की गर्मी को तीव्रता से बाहर निकलने देते हैं, जिससे रातें ज्यादा ठंडी हो जाती है।
- शुष्क एवं ठंडी उत्तर–पश्चिमी पवनों ने रात के तापमान को कम करने में योगदान दिया है।
- दिन के दौरान तेज धूप जहां दिन के तापमान को बढ़ा देते हैं, वहीं मौसम को शुष्क एवं साफ भी कर देते हैं।
- पिछले शीत लहरों के दौरान, दिन के तापमान में गिरावट का पैटर्न था, लेकिन इस बार ठंडी रातों एवं अपेक्षाकृत गर्म दिन का पैटर्न बना हुआ है।

Note :– पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) ऐसे तूफान है, जो भूमध्य सागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं तथा उत्तर पश्चिम भारत में सर्दियों में बारिश करवाते हैं एवं हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी में योगदान देते हैं।